

माला से जप क्यों ?

जप करते समय दाएं हाथ की मध्यमा उंगली के बीच के पोर पर माला रखकर अंगूठे से माला की एक एक मणि अपनी और खींचें। खींचते समय यह ध्यान रखें कि माला के मणि एक-दूसरे पर न गिरें। इसलिए माला के मणि गुंथे हुए होने चाहिए। जप करते समय मणि गिरकर आवाज होने पर वह जप व्यर्थ हो जाता है—ऐसा शास्त्र का मानना है। इसके पीछे एक ही उद्देश्य है कि माला के मणि एक-दूसरे के ऊपर गिरकर या घिसकर फूट सकते हैं। जप करते समय मेरू मणि के आते ही माला को उलटें। किसी भी हालत में मेरू मणि को लांघकर जप न करें। यदि गलती से मेरू मणि का उल्लंघन हो जाए तो 6 बार प्रणायाम करें। इस तरह यदि जप करते समय माला हाथ से छूट जाए तो अशुभ सूचक है। इस अशुभत्व के निवारण हेतु ग्यारह बार अपने इष्टों का जप करें।

